(क) क्या भागलपुर मन्दारहिल ब्रांच लाइन को बढ़ा कर उसे सन्थाल परगना के मुख्यालय दुमा से गुजारते हुए मीठा लाइन के साथ मिलाने की कोई योजना बनाई गई है; और

(ख) यदि हां, तो निर्माण कार्य कब शुरू किया जायेगा ?

रेलवे मंत्री (श्री के० मु० पुनाचा) : (क) भागलपुर-मंदारहिल शाखा लाइन को बढ़ाने और इसे किसी दूसरी वर्तमान लाइन से मिलाने का कोई विचार नहीं है ।

(ख) सवाल नहीं उठता ।

बिहार में धातु तथा खनिज संसाधन

588. श्री बेणीशंकर शर्मा :
श्री ओंकार लाल बेरवा :

क्या इस्पात, खान तथा धातु मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बिहार के बांका सब-डिवीजन के दक्षिणी भाग में धातु तथा खनिज संसाधनों के मिलने की सम्भावना है और क्या वहां कोई अनुसन्धान अथवा खोज कार्य आरम्भ कर दिया गया है;

(ख) यदि हां, तो वहां कौन-कौन से खनिज संसाधन पाये जाने की सम्भवना है और क्या खनिज निकालने का काम वाणिज्यिक आधार पर किये जाने की आशा है; और

(ग) इस राज्य में सूखे और भुखमरी की स्थिति तथा सूखा पीड़ित लोगों को रोजगार देने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सरकार का विचार इस कार्य को कब तक आरम्भ करने का है ?

इस्पात, खान तथा धातु मंत्री (डा० चन्ना रेड्डी) : (क) से (ग). भारतीय भूविज्ञान सर्वेक्षण द्वारा किये गये अनुसंधानों से बिहार के बांका डिविजन के दक्षिणी भाग में समुखिया तथा सतलेतवा के समीप मिट्टियों का पता चला है । अखजोर, कुसीदांस तथा गुंदरा में अबरक की एक प्रकार की पुरानी खानें पाई गई हैं परन्तु इनका आर्थिक दृष्टि से कोई महत्व नहीं । तीसरी पंच वर्षीय योजना काल में फागा, बाघमारी, करहा, खजूरी, गवांरा, भोरसार, धूधिसांर धूधिकरना, खरीखार के खण्ड में तांबा, सीसा, जस्ता पता लगाने के अन्वेषण चल रहे हैं परन्तु अब तक इन खनिजों के खनन-योग्य निक्षेप प्राप्त नहीं हुए हैं । अतः अभी वाणिज्यिक विदोहन का समय नहीं आया है ।

World Tenders invited by IISCO

589. **Shri A. K. Gopalan:**
Shri P. Ramamurti:

Will the Minister of **Steel, Mines and Metals** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Indian Iron and Steel Company invited world tenders in London for the supply of two continuous casting machines;

(b) if so, whether the Heavy Engineering Corporation at Ranchi participated in international tenders;

(c) whether it is also a fact that H.E.C. scheme would have saved 25 percent of the foreign exchange cost; and

(d) the reasons for permitting the Indian Iron and Steel Co. to invite tenders for the machines though they could have been produced indigenously?

The Minister of Steel, Mines and Metals (Dr. Chenna Reddy): (a) Messrs International Construction Co. Ltd., London acting on behalf of the Indian Iron and Steel Company, have invited tenders for a Continuous Casting Plant.

(b) Yes, Sir.

(c) It would be possible to evaluate the savings in the foreign exchange

cost only after a contractor has been selected.

(d) As per terms and conditions agreed to between Indian Iron and Steel Company and the International Bank for Reconstruction and Development, goods to be financed out of the proceeds of the Loan given by the Bank have to be procured on the basis of international competition. Indian companies are also permitted to participate in the tenders, as is evident from the tender submitted by Heavy Engineering Corporation.

Clerks in Traffic Accounts Offices

591. **Shri A. K. Gopalan:**
Shrimati Suseela Gopalan:
Shri K. Ramani:
Shri Jagannath Rao Joshi:
Shri Hukam Chand Kachwai:

Will the Minister of **Railways** be pleased to state:

(a) whether there has been a ban on the promotion of Clerks in the Traffic Accounts Offices of the Indian Railways since 1963;

(b) if so, the reason therefor;

(c) whether Government have received any representation in the matter; and

(d) if so, the steps taken thereon?

The Minister of Railways (Shri C. M. Poonacha): (a) No.

(b) to (d). Do not arise.

Cotton Prices

592. **Shri A. K. Gopalan:**
Shri K. Ramani:
Shrimati Suseela Gopalan:
Shri D. S. Patil:

Will the Minister of **Commerce** be pleased to state:

(a) whether the attention of Government has been drawn to the statement made by the Chairman of the Mill Owners' Association on the 21st April, 1967 that cotton prices continued to be higher than the ceiling prices despite assurances of Government; and

(b) if so, the reaction of Government thereto?

The Deputy Minister in the Ministry of Commerce (Shri Shafi Qureshi): (a) and (b). The problem of prices of cotton ruling above the ceilings has been engaging constant attention of the Government. As a result of two successive droughts, cotton crop during 1965-66 and 1966-67 suffered a considerable decline giving rise to an upward surge in cotton prices. A number of measures including movement control, stock control, credit control and requisitioning of cotton and also curtailment of machine activity have been taken to keep the prices as near the ceilings as possible. These measures have been effective in checking the rising trend to an appreciable extent. Such further measures as may be necessary and found feasible will continue to be taken in the future.

1966-67 में कोयला खानों से निकाला गया कोयला

593. **श्री ओंकार लाल बेरवा :** क्या इस्पात, खान तथा धातु मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि वर्ष 1966-67 में देश में खानों से कितना कोयला निकाला गया ?

इस्पात, खान तथा धातु मंत्री (डा० चक्रा रेड्डी): 1966-67 में देश में कोयले का उत्पादन, लिगनाइट को छोड़कर, 68.43 मिलियन टन था । इस अवधि में लिगनाइट का उत्पादन 2.46 मिलियन टन था ।

लघु उद्योग द्वारा निर्यात

594. **श्री ओंकार लाल बेरवा :** क्या औद्योगिक विकास तथा समवाय कार्य मंत्री